

00633

M.Ed. (MASTER OF EDUCATION)

Term-End Examination

June, 2016

MESE-060 : CURRICULUM DEVELOPMENT AND TRANSACTION

Time : 3 hours

Maximum Weightage : 70%

-
- Note : (i) All the questions are compulsory.
(ii) All the questions carry equal weightage.*
-

1. Answer the following question in about 600 words :

Explain curriculum planning. Discuss various issues in curriculum planning.

OR

Differentiate between counselling and tutoring. Discuss how tutoring can be used to deal with problems of students using suitable examples ?

2. Answer the following question in about 600 words :

Describe briefly various curriculum evaluation models. Discuss the model you will choose to evaluate curriculum and why ?

OR

Explain different methods of observation. Why observation is a better technique of evaluation while dealing with children ? Justify.

3. Answer **any four** of the following in **150** words each :

- (a) Differentiate between activity-centered and learner-centered curricular theory.
- (b) Explain briefly the significance of each step of curriculum development.
- (c) Explain the considerations to be kept in mind while formulating instructional objectives.
- (d) 'Curriculum as a mirror of the discipline'. Justify.
- (e) Differentiate between the terms-measurement, evaluation and assessment.
- (f) Discuss the characteristics of a good test item.

4. Answer the following in **600** words :

Select a topic and class of your choice and develop the lesson plan to teach the topic using co-operative learning method.

एम.एड. (शिक्षा में स्नातकोत्तर)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2016

एम.ई.एस.ई.-060 : पाठ्यचर्या विकास एवं कार्यान्वयन

समय : 3 घण्टे

अधिकतम भारिता : 70%

- नोट : (i) सभी प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य हैं।
(ii) सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।
पाठ्यचर्या योजना (curriculum planning) की व्याख्या कीजिए। पाठ्यचर्या योजना के विविध उपयोगों की चर्चा कीजिए।

अथवा

परामर्श (counselling) और अनुशिक्षण (tutoring) में अन्तर स्पष्ट कीजिए। उचित उदाहरणों द्वारा स्पष्ट कीजिए कि अनुशिक्षण द्वारा विद्यार्थियों की समस्याओं से कैसे निपटा जा सकता है?

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।
पाठ्यचर्या मूल्यांकन के विविध प्रतिमानों (models) का संक्षेप में वर्णन कीजिए। पाठ्यचर्या मूल्यांकन के लिए आप किस प्रतिमान का चयन करेंगे और क्यों? चर्चा कीजिए।

अथवा

प्रेक्षण (observation) की विभिन्न विधियों की व्याख्या कीजिए। बच्चों का सामना करते समय प्रेक्षण, मूल्यांकन की एक बेहतर तकनीक है। क्यों? औचित्य निर्धारण कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों (प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में) के उत्तर दीजिए।

- (a) क्रियाकलाप-केन्द्रित और शिक्षार्थी-केन्द्रित पाठ्यचर्या सिद्धान्त में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
- (b) पाठ्यचर्या विकास के प्रत्येक सोपान (step) के महत्व की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।
- (c) अनुदेशनात्मक उद्देश्यों को सूत्रबद्ध करते समय किन बातों को ध्यान में रखना चाहिए? व्याख्या कीजिए।
- (d) "विषय (Discipline) के दर्पण के रूप में पाठ्यचर्या" का औचित्य निर्धारण कीजिए।
- (e) मापन (Measurement), मूल्यांकन (Evaluation) और मूल्य निर्धारण (Assessment) शब्दों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
- (f) एक अच्छे परीक्षण एकांश (A good test item) की विशेषताओं पर चर्चा कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।
अपनी रुचि (Interest) के अनुसार किसी प्रकरण (Topic) और कक्षा का चयन कीजिए और सहयोगी अधिगम विधि (Co-operative Learning Method) का प्रयोग करते हुए उस प्रकरण को पढ़ाने के लिए पाठयोजना विकसित कीजिए।